B.Ed II^nd year.

Date
17/04/2020
Friday

Sub- समावेशी शिक्षा Unit - II.

Topic - विशिष्ट स्वास्थ्य समस्या वाले बालक,

अधिकांशतः स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याएँ बालकों की शिक्षा में बाधा उत्पन्न कर देती हैं। शारीरिक व मानसिक रोग से ग्रस्त बालकों को अक्सर सामान्य विद्यालयों में प्रवेश दिया जाता है, लेकिन अजीर्ण रोग के कारण उनकी शैक्षिक उपलब्धि अपेक्षित नहीं होती है तथा स्वास्थ्य की असमर्थता रहती है।

विशिष्ट स्वास्थ्य समस्या वाले बालकों का अर्थ

शारीरिक रूप से बाधित बालकों को विशिष्ट शिक्षा की दृष्टि से दो वर्गों में विभाजित किया जाता है।

(1) अस्थि बाधित बालक

1. मस्तिष्कीय पक्षाघात।
2. पोलियो रोग।
3. चक्षु रोग।
4. मेरुदण्ड की वक्रता।
5. अजीर्ण रोग।

(2) स्वास्थ्य बाधित बालक

1. शक्ति का सीमित होना।
2. ओज का अभाव।
3. सतर्कता का अभाव।
4. संक्रामक रोग।
5. दृष्टि / श्रवण / मानसिक दोष आदि।

स्वास्थ्य बाधित बालकों की समस्याओं का वर्गीकरण

(1) सामान्य स्वास्थ्य समस्या वाले बालक

(2) गम्भीर स्वास्थ्य समस्या वाले बालक

Scanned with CamScanner

स्वास्थ्य बाधित बालकों की पहचान

1- त्वचा का नीला होना। (9) जल्दी थकावट।
2- अधिक भूख लगना। (10) स्वभाव चिड़चिड़ा होना।
3- अधीर हो जाना। (11) खुजली होना।
4- अधिक प्यास लगना। (12) श्वास फूलना।
5- भार कम होना। (13) जोड़ो में दर्द होना।
6- सीने में दर्द रहना। (14) क्रोधी स्वभाव का होना।
7- जल्दी गुस्सा आना। (15) सामाजिक असमायोजन।
8- अधिक पसीना आना।

स्वास्थ्य बाधित बालकों की समस्याओं के कारण

(1) मस्तिष्क में क्षोभ होना।
(2) शरीर में खून की कमी होना।
(3) दवाओं का दुष्प्रभाव।
(4) शारीरिक संरचना में दोष होना।
(5) गर्भ में ही संक्रामक रोग हो जाना।

स्वास्थ्य बाधित बालकों के लिए उपचार

1- बीमारी के प्रकोप के कारण का पता लगाना।
2- शारीरिक, मानसिक, सामाजिक प्रकोप के समय औषधि का प्रयोग।
3- शल्य थेरेपी का उपयोग भी सावधानी पूर्वक।
4- रोग के प्रकोप के समय औषधि का प्रयोग।

शैक्षिक प्रावधान

(1) व्यक्तिगत शिक्षण के लिए नियोजन।
(2) शिक्षा संस्था से कोई बन्धन नहीं।
(3) शिक्षा के उद्देश्यों का प्रतिपादन।
(4) शिक्षक दो प्रकार के होने चाहिए → सामान्य शिक्षक
→ स्रोत शिक्षक
↓
[विशिष्ट शिक्षण विधियों का ज्ञान]

B.R.C. Deoband
Assis Pro- Sapna Tyagi